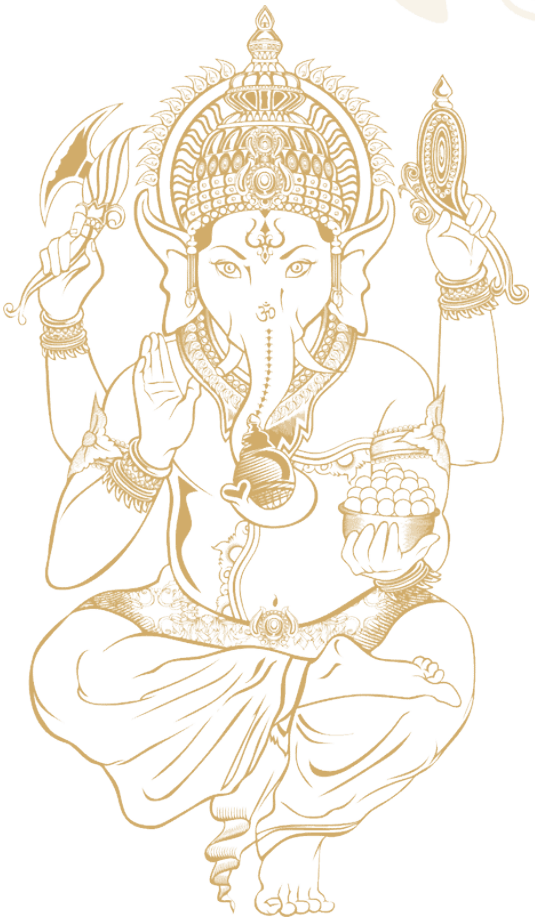

06 Feb 2026

02:20 PM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121182502

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**06/02/2026**
दिन	शुक्रवार
जन्म समय	**14:20:00 घंटे**
इष्ट	18:03:28 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	13:58:52 घंटे
वेलान्तर	-00:14:03 घंटे
साम्पातिक काल	23:04:54 घंटे
सूर्योदय	07:06:36 घंटे
सूर्यास्त	18:04:09 घंटे
दिनमान	10:57:32 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	23:20:39 मकर
लग्न के अंश	05:42:33 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**कन्या - बुध**
नक्षत्र-चरण	**हस्त - 3**
नक्षत्र स्वामी	चन्द्र
योग	धृति
करण	तैतिल
गण	देव
योनि	महिष
नाड़ी	आद्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	मानव
वर्ग	श्वान
युँजा	मध्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	ण--
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कुम्भ

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	05:42:33	331:02:59	मृगशिरा	4	5	बुध	मंगल	चंद्र	---
सूर्य			मक	23:20:39	01:00:48	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	मंगल	शत्रु राशि
चंद्र			कन्या	18:06:09	12:32:22	हस्त	3	13	बुध	चंद्र	बुध	मित्र राशि
मंगल		अ	मक	16:42:38	00:47:04	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	शनि	उच्च राशि
बुध			कुंभ	04:45:11	01:45:43	धनिष्ठा	4	23	शनि	मंगल	शुक्र	सम राशि
गुरु	व		मिथु	22:34:10	00:05:58	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	शनि	शत्रु राशि
शुक्र			कुंभ	00:41:12	01:15:13	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	बुध	मित्र राशि
शनि			मीन	04:57:35	00:06:13	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	सम राशि
राहु			कुंभ	14:51:27	00:01:47	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	केतु	मित्र राशि
केतु			सिंह	14:51:27	00:01:47	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष			वृष	03:14:18	00:00:07	कृतिका	2	3	शुक्र	सूर्य	शनि	---
नेप			मीन	06:04:12	00:01:47	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	बुध	---
प्लूटो			मक	09:38:33	00:01:53	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
दशम भाव			कुंभ	20:48:59	--	पू०भाद्रपद	--	25	शनि	गुरु	गुरु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:25

लग्न-चलित

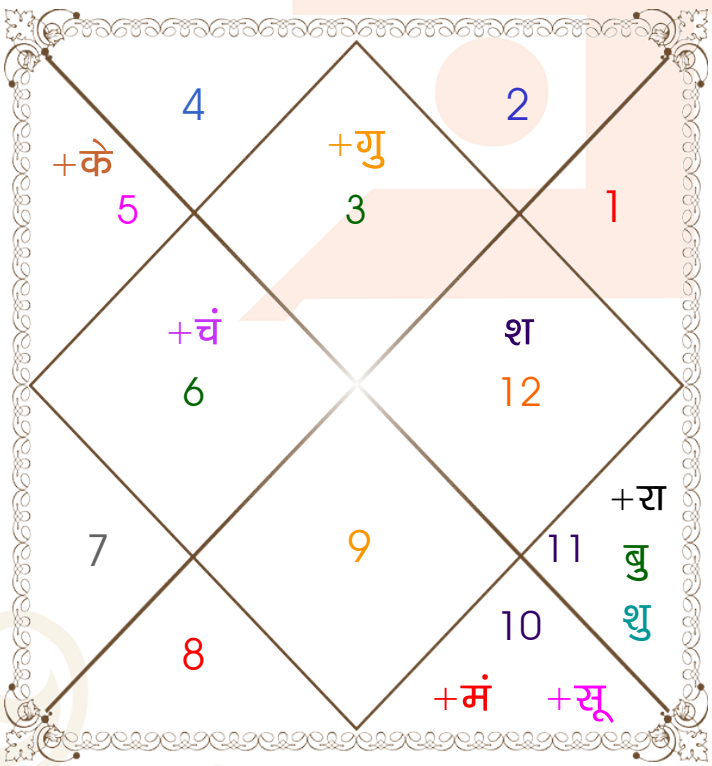

चन्द्र कुंडली

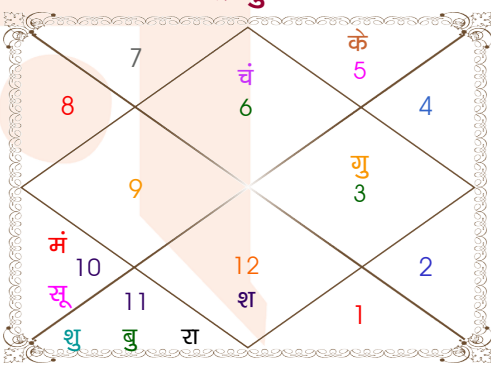

नवमांश कुंडली

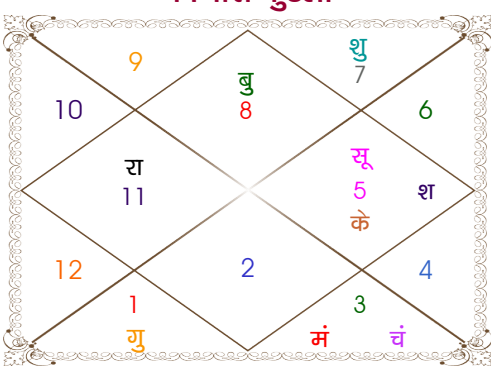

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : चन्द्र 3 वर्ष 11 मास 2 दिन

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
06/02/2026		09/01/2030		09/01/2037		09/01/2055		09/01/2071	
09/01/2030		09/01/2037		09/01/2055		09/01/2071		09/01/2090	
	00/00/0000	मंगल	07/06/2030	राहु	22/09/2039	गुरु	26/02/2057	शनि	12/01/2074
	00/00/0000	राहु	26/06/2031	गुरु	15/02/2042	शनि	10/09/2059	बुध	21/09/2076
	00/00/0000	गुरु	01/06/2032	शनि	21/12/2044	बुध	16/12/2061	केतु	31/10/2077
	00/00/0000	शनि	10/07/2033	बुध	11/07/2047	केतु	22/11/2062	शुक्र	31/12/2080
	06/02/2026	बुध	08/07/2034	केतु	28/07/2048	शुक्र	23/07/2065	सूर्य	13/12/2081
बुध	11/04/2027	केतु	04/12/2034	शुक्र	29/07/2051	सूर्य	11/05/2066	चंद्र	14/07/2083
केतु	10/11/2027	शुक्र	03/02/2036	सूर्य	22/06/2052	चंद्र	10/09/2067	मंगल	22/08/2084
शुक्र	10/07/2029	सूर्य	10/06/2036	चंद्र	22/12/2053	मंगल	16/08/2068	राहु	29/06/2087
सूर्य	09/01/2030	चंद्र	09/01/2037	मंगल	09/01/2055	राहु	09/01/2071	गुरु	09/01/2090

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
09/01/2090		10/01/2107		10/01/2114		10/01/2134		11/01/2140	
10/01/2107		10/01/2114		10/01/2134		11/01/2140		00/00/0000	
बुध	07/06/2092	केतु	08/06/2107	शुक्र	12/05/2117	सूर्य	30/04/2134	चंद्र	10/11/2140
केतु	04/06/2093	शुक्र	08/08/2108	सूर्य	12/05/2118	चंद्र	29/10/2134	मंगल	11/06/2141
शुक्र	04/04/2096	सूर्य	13/12/2108	चंद्र	11/01/2120	मंगल	06/03/2135	राहु	11/12/2142
सूर्य	08/02/2097	चंद्र	14/07/2109	मंगल	12/03/2121	राहु	29/01/2136	गुरु	11/04/2144
चंद्र	11/07/2098	मंगल	11/12/2109	राहु	11/03/2124	गुरु	16/11/2136	शनि	10/11/2145
मंगल	08/07/2099	राहु	29/12/2110	गुरु	10/11/2126	शनि	29/10/2137	बुध	07/02/2146
राहु	25/01/2102	गुरु	05/12/2111	शनि	10/01/2130	बुध	04/09/2138		00/00/0000
गुरु	02/05/2104	शनि	13/01/2113	बुध	10/11/2132	केतु	10/01/2139		00/00/0000
शनि	10/01/2107	बुध	10/01/2114	केतु	10/01/2134	शुक्र	11/01/2140		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल चंद्र 3 वर्ष 11 मा 14 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म मृगशिरा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में मिथुन लग्न में हुआ है। आपके जन्मकाल पूर्वीय क्षतिज पर मिथुन लग्न उदीयमान था। तत्कालिक वृश्चिक नवमांश एवं मिथुन द्रेष्काण के प्रभाव से यह स्पष्ट है कि आप व्यक्तिगत रूप से अपने जीवन को विविध व्यंजित प्रकार से संचालनार्थ दृढ़ निश्चयी हैं।

आपकी विशेषता यह है कि आप सदैव सभी चीजों में विविधता की झलक देखेंगे तथा विविधायुक्त प्राप्त करेंगे।

आपकी आकृति दुर्बल अर्थात शरीर से दुबले लंबे एवं आखें आकर्षक हैं। यह प्रमाणित है कि आप विपरीत योनि के सदस्यों के साथ लोकप्रियता का रूख रखतें हो। परिणाम स्वरूप अनेक प्रेम संबंध के प्रति अपनी पत्नी के साथ विरोधात्मक रूख अपना लेते हैं तथा आप कठोरतम कदम उठाकर गृह त्याग करने की धमकी देते हैं। आप शीघ्रता पूर्वक अपने रोबिले कार्य कलाप से जीवन संगिनी के साथ क्लेश युक्त वातावरण उत्पन्न कर लेते हैं। आपके कार्यकलाप भी विभिन्नताओं से युक्त हैं। आप सदैव एक व्यवसाय को छोड़कर अन्य व्यवसाय के लिए छलांग लगाना आपकी अत्यावश्यक दिनचर्या है।

आप एक ही समय साथ-साथ दों कार्यभार का संपादन करने के लिए तत्पर हो जाते हैं तथा उसे सकारात्मक रूप भी देते हैं। परिणामस्वरूप आप एकाग्रता पूर्वक अच्छे ढंग से कोई कार्य एक साथ एक समय पर नहीं कर पाते हैं।

आपके आय का क्षेत्र व्यापक हैं, अतः आप निःसंदेह समय-समय पर बहुत कुछ लाभ प्राप्त कर लेंगे। परंतु यह लाभ अधिक दिनों तक सुरक्षित नही रह सकेगा। क्योंकि आप की आदत ऐसी है कि आप आनंद प्राप्त करने के उमंग में खर्चीला तथा अपव्ययकारी हो जाते हैं। जबकि व्यवसायिक पक्ष के मित्र आपके घर आते हैं। उस समय आप अपने स्वामी अथवा व्यवसायिक महारथियों के साथ आमोद-प्रमोद करना पसंद करते हैं। आप असावधानी पूर्वक अचेत होकर अवकाश के समय कठिनतम संपत्ति को व्यय कर देने से जीवन में उतार-चढ़ाव के दिन देखने पड़ते हैं। इसलिए ऐसी आशंका ही नही कि आपका संपूर्ण जीवन संघर्षपूर्ण परिस्थितियों के साथ गुजरे अपितु यह पूर्णरूपेण संभाव्य है कि आपका जीवन संघर्षमय रहेगा।

आप किसी भी कार्य को संपादन करने के निर्णय को परिवर्तन करने के बजाय, आप इस प्रकार की सीख लेकर अपने स्वभाव को विस्तार पूर्वक नियम कर लें तथा बार-बार अन्य क्षेत्र में हाथ न फैलाएं। इसमें कोई संदेह नहीं कि आपकी मित्रमंडली बड़ी है तथा ये कठिन परिस्थितियों में बहुत दिनों तक आपका साथ निभा सकते हैं।

यह तथ्य पूर्ण बात है कि आपके मित्रों को आपकी मनोवृत्रि का ज्ञान होना कठिनतम है। क्योंकि आपमें मित्रों को बदलते रहने की आदत है तथा आपके इस अभिप्राय को कोई समझ नही पाता है। परिणाम स्वरूप बहुतायत में आपके मित्र अत्यावश्यक समय पर आपका साथ छोड़ देते हैं। अर्थात् आवश्यकता पड़ने पर कोई आप का मददगार नही होता है।

संप्रति आप पूर्णरूपेण स्वस्थ हैं। बड़ी रोग या तकलीफ के पूर्व ही आपको सचेत रहना अति उत्तम है। आपकी छलांग लगाने की प्रवृत्ति से आपको विश्राम नही मिलता क्योंकि आपके मस्तिष्क में बहुत सी बातों का विचार एवं कार्य संपादन मस्तिष्क पर अधिक भार डालने का प्रयास करते रहते हैं। अतः आप ऐसी सबक लेंकर अपने मस्तिष्क से चिंता करना छोड़ दें अर्थात् चिंताओं को दिमाग से निकाल दें तथा आप सुखपूर्वक विश्राम एवं शयन करें।

आपको भावी रोगादि तथा किड़नी की दिकतें, शारीरिक खुजलाहट, इन्फ्लुऐंजा एवं श्वांसनली कि विकृतियों के प्रति सावधानी बरतना चाहिए ताकि स्वास्थ्य लाभ की निश्चितता एवं पूर्ण स्वास्थ्य लाभ प्राप्त हो सके। आप अपने खान-पान की आदतों के संबंध में भी सतर्क रहें तथा क्रमिक रूप से स्वास्थ्य परीक्षण कराना भी सहायक होगा।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है।

आपके लिए वास्तव में 7 एवं 3 अंक शुभ एवं अनुकूलता दायक है। अंक 4 एवं अंक 8 पर निर्भर न रहें क्योंकि ये अंक पूर्ण फलदायी नही हैं।

आप लाल एवं काला रंग का व्यवहार नहीं करें। आपके लिए पीला, नीला, गुलाबी एवं हरा रंग शुभ एवं प्रेरक है।